केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

राजनीति विज्ञान (028)
अंकन योजना (2023-24)
कक्षा: बारहवीं

समय:3 घंटे **एमएम: 80**

निर्देश:

उत्तर सं.	खंड क (12 अंक)	अंक	एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक को चिह्नित करता है
1	**निम्नलिखित घटनाएँ कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें और सही विकल्प चुनें:** **(i)** अफगानिस्तान पर सोवियत आक्रमण। **(ii)** ताजिकिस्तान में गृहयुद्ध की समाप्ति। **(iii)**कम्युनिस्ट पार्टी के कट्टरपंथियों द्वारा एक सैन्य तख्तापलट। **(iv)**रूसी क्रांति। **(क)** (i), (ii), (iii), (iv) **(ख)** (ii), (i), (iv), (iii) **(ग)** (iv), (i), (iii), (ii) **(घ)** (iii), (i), (ii), (iv) **उत्तर: (ग) (iv), (i), (iii), (ii)**	**1**	समकालीन विश्व राजनीति पृ. संख्या 21
2	**किस मध्य एशियाई देश के राष्ट्रपति ने पहले खुद को दस साल के लिए सत्ता में नियुक्त किया और इसे अगले दस साल के लिए बढ़ाया?** **(क)** तुर्कमेनिस्तान **(ख)** यूक्रेन **(ग)** अज़रबैजान **(घ)** किर्गिस्तान **उत्तर. (क) तुर्कमेनिस्तान**	**1**	समकालीन विश्व राजनीति पृ. संख्या 26
3	**शस्त्र नियंत्रण पारंपरिक सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण उपाय है क्योंकि:** **(क)** संबंध युद्ध जैसी स्थिति को रोकने से है। **उत्तर: (ग) यह हथियारों के अधिग्रहण या विकास को नियंत्रित करता है।**	**1**	समकालीन विश्व राजनीति पृ. संख्या 105

4	**_____ यह सुनिश्चित करता है कि प्रतिद्वंद्वी गलतफहमी या गलत धारणा के कारण युद्ध में न जाएं।** **(क)** एलायंस बहाली **(ख)** विश्वास बहाली **(ग)** शक्ति संतुलन **(घ)** शस्त्र नियंत्रण **उत्तर. (ख) विश्वास बहाली**	**1**	समकालीन विश्व राजनीति पृ. संख्या 106
5	**सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए** **सूची I** / **सूची II** ए). कॉर्डिलेरा क्षेत्र के स्वदेशी लोग — (i) चिली बी). मापुचे — (ii) बांग्लादेश सी-).चटगाँव पहाड़ी इलाकों के आदिवासी लोग — (iii) फिलीपींस डी). कुना जनजाति — (iv) पनामा नहर के पूर्व में **उत्तर. (क) ए- (iii), बी- (i), सी- (ii), डी- (iv)**	**1**	समकालीन विश्व राजनीति पृ. संख्या 132
6	**निम्नलिखित प्रश्न में, कथन (A) के बाद कारण (R) का कथन है। उपयुक्त उत्तर चुनें:** **अभिकथन (A) :** पूरे शीत युद्ध के दौरान उत्तर के औद्योगिक देशों ने संसाधनों के सतत प्रवाह को सुनिश्चित करने का प्रयास किया। **कारण (R) :** उन्होंने शोषण स्थलों के निकट सैन्य बलों को तैनात किया। **(क)** कथन और कारण दोनों सही हैं, और कारण कथन की सही व्याख्या है। **(ख)** कथन और कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है। **(ग)** कथन गलत है, लेकिन कारण सही है। **(घ)** कथन सही है, लेकिन कारण गलत है। **उत्तर. (ख) कथन और कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।**	**1**	समकालीन विश्व राजनीति पृ. संख्या 128-129
7	**'कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी' के संस्थापक अध्यक्ष का नाम बताइए।** **(क)** केएम मुंशी	**1**	आजादी के बाद से भारत में राजनीति

	(ख) आचार्य नरेंद्र देव **(ग)** श्यामा प्रसाद मुखर्जी **(घ)** मीनू मसानी **उत्तर. (ख) आचार्य नरेंद्र देव**		पृ. संख्या: 34
8	**आजादी के बाद, पहले लोकसभा चुनाव को दो बार स्थगित करना पड़ा और अंत में आयोजित किया गया:** **(क)** नवंबर 1951 से फरवरी 1952 तक **(ख)** दिसंबर 1951 से फरवरी 1952 तक **(ग)** सितंबर 1951 से फरवरी 1952 तक **(घ)** अक्टूबर 1951 से फरवरी 1952 तक **उत्तर. (घ)अक्टूबर 1951 से फरवरी 1952 तक**	**1**	भारत में राजनीति आजादी के बाद से पृ. संख्या: 30
9	**1956 में भारत की यात्रा के दौरान दलाई लामा के साथ निम्नलिखित में से कौन सा चीनी नेता था?** **(क)** हुआ गुओफेंग **(ख)** झाओ जियांग **(ग)** प्रीमियर झोउ एनलाई **(घ)** ली पेंग **उत्तर. (ग) प्रीमियर झोउ एनलाई**	**1**	भारत में राजनीति आजादी के बाद से पृ. संख्या: 69
10	**निम्नलिखित प्रश्न में, कथन (ए) के बाद कारण (R) का कथन है। उपयुक्त उत्तर चुनें:** **दावा (ए):** संविधान की छठी अनुसूची आदिवासी स्वायत्तता को उनकी प्रथाओं और प्रथागत कानूनों को संरक्षित करने की अनुमति देती है। **कारण (R) :** ये प्रावधान पूर्वोत्तर में जटिल राजनीतिक समस्याओं को हल करने में महत्वपूर्ण साबित हुए। **(क)** कथन और कारण दोनों सही हैं, और कारण कथन की सही व्याख्या है। **(ख)** कथन और कारण दोनों सही हैं, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है। **(ग)** कथन गलत है, लेकिन कारण सही है। **(घ)** कथन सही है, लेकिन कारण गलत है। **उत्तर. (क) कथन और कारण दोनों सही हैं, और कारण कथन की सही व्याख्या है।**	**1**	आजादी के बाद से भारत में राजनीति पृ. संख्या: 168

11	**भारत ने किस देश की स्वतंत्रता की शीघ्र प्राप्ति के लिए स्वतंत्रता संग्राम का समर्थन करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन बुलाकर पुरजोर प्रयास किया।** **(क)** मलेशिया **(ख)** वियतनाम **(ग)** थाईलैंड **(घ)** इंडोनेशिया **उत्तर. (घ) इंडोनेशिया**	**1**	आजादी के बाद से भारत में राजनीति पृ. संख्या: 68
12	**बोडो समुदाय _____ से संबंधित है।** **(क)** मणिपुर **(ख)** असम **(ग)** मिजोरम **(घ)** अरुणाचल प्रदेश **उत्तर. (ख) असम**	**1**	आजादी के बाद से भारत में राजनीति पृ. संख्या: 163
	खंड-ख (12 अंक)		
13 उत्तर	**भारत-भूटान संबंधों की किन्हीं दो विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।** भूटान सरकार के साथ भारत का कोई बड़ा विवाद नहीं है। **1.** भूटानी सम्राट द्वारा देश में सक्रिय उत्तर-पूर्वी भारत के गुरिल्लाओं और उग्रवादियों को बाहर निकालने के लिए किए गए प्रयास भारत के लिए मददगार रहे हैं। **2.** भारत भूटान में बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में शामिल है और हिमालयी साम्राज्य की विकास सहायता का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। **(या कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु)**	**2**	समकालीन विश्व राजनीति पृ. संख्या: 77
14 उत्तर	**भारत की सुरक्षा रणनीति के किन्हीं दो घटकों का विश्लेषण कीजिए।** **1.** पहला घटक अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत कर रहा था। 1998 में परमाणु परीक्षण करने के भारत के निर्णय को राष्ट्रीय सुरक्षा की सुरक्षा के संदर्भ में भारत सरकार द्वारा उचित ठहराया गया था। **2.** भारत की सुरक्षा रणनीति का दूसरा घटक अपने सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों को मजबूत करना रहा है। **3.** भारतीय सुरक्षा रणनीति का तीसरा घटक देश के भीतर सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है। नागालैंड, मिजोरम, पंजाब और कश्मीर जैसे क्षेत्रों के कई आतंकवादी समूहों ने समय-समय पर भारत से अलग होने की	**2**	समकालीन विश्व राजनीति पृ. संख्या: 112-113

	मांग की है। भारत ने लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था को अपनाकर राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने का प्रयास किया है। **4.** भारत में अपनी अर्थव्यवस्था को इस तरह विकसित करने का प्रयास किया गया है कि नागरिकों के विशाल जनसमूह को गरीबी से बाहर निकाला जा सके। **(कोई दो बिंदु)**		
15 उत्तर :	**प्रथम पंचवर्षीय योजना तथा द्वितीय पंचवर्षीय योजना में कोई दो अन्तर बताइए।** **पहली पंचवर्षीय योजना और दूसरी पंचवर्षीय योजना के बीच अंतर:** **1.** पहली पंचवर्षीय योजना कृषि विकास पर जोर देने के साथ शुरू हुई जबकि दूसरी पंचवर्षीय योजना में भारी उद्योगों पर जोर दिया गया। **2.** प्रथम पंचवर्षीय योजना में धैर्य पर बल दिया गया था और द्वितीय पंचवर्षीय योजना में त्वरित संरचनात्मक परिवर्तन लाना चाहा गया था। **(अन्य प्रासंगिक बिंदु)**	**2**	आजादी के बाद से भारत में राजनीति पृ. संख्या 52,53
16 उत्तर	**देश में प्रथम आम चुनाव कराने में निर्वाचन आयोग के समक्ष किन्हीं दो समस्याओं का वर्णन कीजिए।** **1.** चुनाव कराने के लिए परिसीमन की आवश्यकता होती है या चुनावी निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का निर्माण होता है और इस कार्य में काफी समय लगता है। **2.** जब मतदाता सूची का पहला मसौदा प्रकाशित हुआ था, तब लगभग 40 लाख महिलाओं के नाम सूची में दर्ज नहीं थे। **3.** 17 करोड़ पात्र मतदाता थे, जिन्हें लगभग 32000 विधायक और 489 लोकसभा सदस्य चुनने थे। **4.** इन योग्य मतदाताओं में से केवल 15 प्रतिशत साक्षर थे। चुनाव आयोग को मतदान के कुछ विशेष तरीकों के बारे में सोचना पड़ा। **(या अन्य प्रासंगिक बिंदु)**	**2**	आजादी के बाद से भारत में राजनीति पृ. संख्या: 28,30

17 उत्तर :	**द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एशिया और अफ्रीका के नए स्वतंत्र देशों के सामने किन्हीं दो सुरक्षा चुनौतियों का वर्णन करें।** **1.** नव स्वतंत्र देशों को न केवल अपनी सीमाओं के बाहर बल्कि भीतर से भी खतरों का सामना करना पड़ा। **2.** इनमें से कुछ राज्यों को देश के भीतर अलगाववादी आंदोलन से खतरों का सामना करना पड़ा। **3.** आतंकवाद एक ऐसी समस्या है जिसका सामना सीमाओं के बाहर किया जाता है **4.** नव स्वतंत्र देश घनी आबादी वाले हैं, और वे गरीबी की समस्या का सामना कर रहे हैं। **(या अन्य प्रासंगिक बिंदु)**	**2**	समकालीन विश्व राजनीति पृ. संख्या: 104
18 उत्तर	**1975 में लगाए गए आपातकाल से सीखे किन्हीं दो पाठों की व्याख्या कीजिए।** **उत्तर:** आपातकाल ने भारत के लोकतंत्र की ताकत और कमजोरियों दोनों को सामने ला दिया। **1.** आपातकाल का एक सबक यह है कि भारत में लोकतंत्र को खत्म करना बेहद मुश्किल है। **2.** दूसरे, इसने संविधान में आपातकालीन प्रावधान के संबंध में कुछ अस्पष्टताएं सामने लाईं जिन्हें सुधारा गया है। इसमें संशोधन किया गया कि केवल सशस्त्र विद्रोह के आधार पर आंतरिक आपातकाल की घोषणा की जा सकती है। आपातकाल की घोषणा करने की सलाह राष्ट्रपति को मंत्रिपरिषद द्वारा लिखित रूप में दी जानी चाहिए। **3.** तीसरा, आपातकाल ने सभी को नागरिक स्वतंत्रता के प्रति अधिक जागरूक बनाया; अदालतों ने भी व्यक्तियों की नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा करने में सक्रिय भूमिका निभाई। **(कोई दो या अन्य प्रासंगिक बिंदु)**	**2**	आजादी के बाद से भारत में राजनीति पृ. संख्या: 117,118
	खंड-ग (20 अंक)		
19 उत्तर	**भारत की परमाणु नीति की किन्हीं चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** **भारत की परमाणु नीति की मुख्य विशेषताएं हैं:** **1.** आधुनिक भारत के तेजी से निर्माण के लिए नेहरू ने हमेशा विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अपना विश्वास रखा था। उनकी औद्योगीकरण योजनाओं का एक महत्वपूर्ण घटक होमी जे भाभा के मार्गदर्शन में 1940 के दशक के अंत	**4**	आजादी के बाद से भारत में राजनीति पृ. संख्या: पृ संख्या: 78 और 79

	में शुरू किया गया परमाणु कार्यक्रम था। भारत शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु ऊर्जा उत्पन्न करना चाहता था। **2.** भारत नो फर्स्ट यूज की वकालत करता है और परमाणु हथियार मुक्त दुनिया के लिए गैर-भेदभावपूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण लोडिंग पर वैश्विक सत्यापन योग्य भारत की प्रतिबद्धता को दोहराता है। **3.** भारत परमाणु हथियारों के खिलाफ था, इसलिए महाशक्तियों के साथ परमाणु निरस्त्रीकरण की वकालत की। **4.** भारत ने हमेशा एनपीटी को भेदभावपूर्ण माना और उस पर हस्ताक्षर करने से मना कर दिया। **5.** यहां तक कि मई 1974 में भारत के पहले परमाणु परीक्षण को भी एक शांतिपूर्ण विस्फोट करार दिया गया और भारत ने केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए परमाणु शक्ति का उपयोग करने का तर्क दिया। **(या अन्य प्रासंगिक बिंदु)**		
20 उत्तर	**उन घटनाक्रमों पर चर्चा करें जिन्होंने यूएसएसआर के भीतर संकट को बढ़ाया जिसने इसके विघटन को तेज कर दिया।** **1.** गोर्बाचेव ने देश के भीतर आर्थिक और राजनीतिक सुधारों (पेरेस्त्रोइका और ग्लास्नोस्ट) और लोकतंत्रीकरण की नीतियों की शुरुआत की। कम्युनिस्ट पार्टी के नेताओं ने सुधारों का विरोध किया। **2.** 1991 में एक तख्तापलट हुआ जिसे कम्युनिस्ट पार्टी के कट्टरपंथियों ने बढ़ावा दिया। लोगों ने तब तक आजादी का स्वाद चख लिया था और वे कम्युनिस्ट पार्टी की पुरानी शैली का शासन नहीं चाहते थे। सत्ता सोवियत केंद्र से गणराज्यों में स्थानांतरित होने लगी, विशेष रूप से सोवियत संघ के अधिक यूरोपीयकृत हिस्से में, जिसने उन्हें संप्रभु राज्यों के रूप में देखा। **3.** सोवियत संघ का प्रशासन और राजनीतिक तंत्र स्थिर हो गया। 70 से अधिक वर्षों तक सोवियत संघ पर शासन करने वाली कम्युनिस्ट पार्टी लोगों के प्रति जवाबदेह नहीं थी। बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार, सरकार में अधिक खुलेपन की अनुमति देने की अनिच्छा के कारण व्यवस्था का पतन हुआ। **4.** गोर्बाचेव की अज्ञानता और उनके उदार दृष्टिकोण ने बदले में पूर्वी यूरोप में सांप्रदायिक विरोधी ताकतों को मजबूत किया। नतीजतन, चेकोस्लोवाकिया, रोमानिया, हंगरी, पोलैंड, बुल्गारिया और पूर्वी जर्मनी ने साम्यवादी शासन के	**4**	समकालीन विश्व राजनीति पृ. संख्या: 21

	पतन को देखा। अचानक हुए इन घटनाक्रमों ने सोवियत संघ के विघटन का मार्ग प्रशस्त किया। **(या अन्य प्रासंगिक बिंदु)**		
21 उत्तर	**'संघर्ष के बावजूद, श्रीलंका ने काफी आर्थिक विकास दर्ज किया है और मानव विकास का उच्च स्तर दर्ज किया है।' कथन का समर्थन करें।** जातीय संघर्ष 1983 से चल रहा है लेकिन श्रीलंका ने काफी आर्थिक विकास किया जैसा कि निम्नलिखित तथ्यों से स्पष्ट है: **(i)** श्रीलंका जनसंख्या की वृद्धि दर को सफलतापूर्वक नियंत्रित करने वाले पहले विकासशील देशों में से एक था। **(ii)** अर्थव्यवस्था को उदार बनाने वाला यह पहला देश था। **(iii)**गृह युद्ध के माध्यम से कई वर्षों तक इसका प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) सबसे अधिक था। **(iv)**आंतरिक संघर्ष की तबाही के बावजूद, श्रीलंका ने एक लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था बनाए रखी। **या** **पाकिस्तान में एक स्थिर लोकतंत्र के निर्माण की राह में आने वाली किन्हीं चार बाधाओं पर प्रकाश डालिए।** **उत्तर:** स्थिर लोकतंत्र के निर्माण में पाकिस्तान की विफलता के लिए निम्नलिखित कारक जिम्मेदार हैं: **1.** पाकिस्तान में लोकतांत्रिक शासन के लिए वास्तविक अंतरराष्ट्रीय समर्थन की कमी ने सेना को अपना प्रभुत्व जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया है। अमेरिका और अन्य देशों ने भी अपने हितों की पूर्ति के कारण सैन्य शासन का समर्थन किया है। **2.** भारत के साथ पाकिस्तान के संघर्ष ने अर्धसैनिक समूहों को और अधिक शक्तिशाली बना दिया है जो अक्सर कहते हैं कि पाकिस्तान में राजनीतिक दल और लोकतंत्र त्रुटिपूर्ण हैं कि स्वार्थी दिमाग वाले दलों और अराजक लोकतंत्र से पाकिस्तान की सुरक्षा को नुकसान होगा इसलिए सेना का सत्ता में रहना उचित है। **3.** सैन्य पादरियों के सामाजिक प्रभुत्व और अभिजात वर्ग के मालिक होने के कारण निर्वाचित सरकारों को लगातार उखाड़ फेंका गया और सैन्य सरकारों की स्थापना की गई।	**4**	समकालीन विश्व राजनीति पृ. संख्या: 73 या

	4. वैश्विक इस्लामी आतंकवाद और उनकी आशंका कि पाकिस्तान का परमाणु जखीरा इन आतंकवादी समूहों के हाथों में जा सकता है, पाकिस्तान में सैन्य शासन को पश्चिम एशिया और दक्षिण एशिया में पश्चिमी हितों के रक्षक के रूप में देखा गया **(या अन्य प्रासंगिक बिंदु)**		पृ. संख्या:69
22 उत्तर	**'राजनीतिक और आर्थिक रूप से प्रभावशाली समाज की संस्कृति एक कम शक्तिशाली समाज पर अपनी छाप छोड़ती है।' इस कथन का विश्लेषण कीजिए।** **(i)** बाहरी प्रभाव केवल हमारे विकल्पों को बढ़ाते हैं और कभी-कभी वे हमारी संस्कृति को पारंपरिक रूप से प्रभावित किए बिना संशोधित करते हैं। **(ii)** उदाहरण के लिए, बर्गर मसाला डोसा का विकल्प नहीं है और इसलिए, कोई वास्तविक चुनौती पेश नहीं करता है। उसी तरह नीली जींस होमस्पून खादी के कुर्ते के साथ अच्छी जा सकती है। **(iii)**वैश्वीकरण हमारे सांस्कृतिक दृष्टिकोण को व्यापक बनाता है और सांस्कृतिक एकरूपता उत्पन्न करता है, संस्कृतियों को और अधिक भिन्न और विशिष्ट बनाता है। **(iv)**यह न केवल गरीब देशों के लिए बल्कि पूरी मानवता के लिए खतरनाक है, क्योंकि इससे पूरे विश्व की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत सिकुड़ रही है।	**4**	समकालीन विश्व राजनीति पृ. संख्या: 143 और 144
	या		
उत्तर	**विकासशील देशों पर वैश्वीकरण के आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।** **(i)** वैश्वीकरण ने दुनिया भर में वस्तुओं के व्यापार में वृद्धि की है। विभिन्न देशों द्वारा अन्य देशों के आयात पर लगाए गए प्रतिबंधों को कम कर दिया गया है। **(ii)** देशों के बीच पूंजी की आवाजाही पर प्रतिबंध भी कम कर दिया गया है। इस प्रकार, अमीर देशों में निवेशक अपने पैसे को अन्य देशों में विशेष रूप से विकासशील देशों में निवेश कर सकते हैं, जहां उन्हें बेहतर रिटर्न मिलता है। **(iii)**वैश्वीकरण ने इंटरनेट और कंप्यूटर से संबंधित सेवाओं जैसे विचारों का प्रसार किया है। **(iv)**वैश्वीकरण के कारण लोगों की आवाजाही में वृद्धि हुई है। उदाहरण के लिए, यूएसए में सिलिकॉन वैली में लगभग 300.000 भारतीय काम कर रहे हैं। **(v)** हां, विकासशील देशों पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ा। **(या अन्य प्रासंगिक बिंदु)**		पृ संख्या: 140 और 141

23	**'भारत के विभिन्न भागों से क्षेत्रीय मांगें विविधता के साथ एकता के सिद्धांत का उदाहरण हैं'। क्या आप सहमत हैं? उपयुक्त तर्कों के साथ अपने उत्तर का समर्थन कीजिए।**	**4**	आजादी के बाद से भारत में राजनीति पृ. संख्या 167 और 168
उत्तर	**हाँ, मैं निम्नलिखित कारणों से सहमत हूँ।** **1.** क्षेत्रीय आकांक्षाएं लोकतांत्रिक राजनीति का हिस्सा हैं- क्षेत्रीय मांगों को लोकतांत्रिक तरीके से संबोधित करना होगा। **2.** जब हम क्षेत्रीय आकांक्षाओं को दबाने की कोशिश करेंगे तो प्रतिरोध और अलगाव को बढ़ावा मिलेगा। यह भारत में नहीं है, लेकिन यूके जैसे अन्य छोटे देशों में स्कॉटलैंड में क्षेत्रीय आकांक्षाएं हैं। क्षेत्रीय आकांक्षाओं का जवाब देने का सबसे अच्छा तरीका लोकतांत्रिक वार्ता के माध्यम से है **3.** सत्ता की साझेदारी - अधिक प्रतिनिधि होने के लिए क्षेत्रीय दलों को राज्य के साथ-साथ केंद्र में क्षेत्रीय स्तर पर सत्ता साझा करने की अनुमति दी जानी चाहिए। **4.** हमारे संविधान के निर्माताओं की दूरदर्शिता- संविधान की छठी अनुसूची जैसी विविधता को समायोजित करने के लिए संघीय विशेषता को लचीलापन और विशेष प्रावधान प्रदान करने की अनुमति देता है क्षेत्रीय असंतुलन को बिना किसी भेदभाव के समायोजित किया जा सकता है। इसलिए क्षेत्रीय आकांक्षाओं को अलगाववाद का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाता है। इस प्रकार, भारत में क्षेत्रवाद को लोकतांत्रिक राजनीति के अंग के रूप में स्वीकार किया जाता है। **(या अन्य प्रासंगिक बिंदु)**		
	खंड- घ (12 अंक)		
24	**नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** 'कॉमन्स' वे संसाधन हैं जो किसी के स्वामित्व में नहीं हैं बल्कि एक समुदाय द्वारा साझा किए जाते हैं। यह एक 'कॉमन रूम', 'सामुदायिक केंद्र', पार्क या नदी हो सकता है। इसी तरह, दुनिया के कुछ क्षेत्र या क्षेत्र हैं जो किसी एक राज्य के संप्रभु अधिकार क्षेत्र के बाहर स्थित हैं, और इसलिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा सामान्य शासन की आवश्यकता है। इन्हें रेस कम्युनिस ह्यूमैनिटैटिस या ग्लोबल कॉमन्स के नाम से जाना जाता है। **1. निम्नलिखित में से कौन सा ग्लोबल कॉमन्स का हिस्सा है?** **(क)** महासागर तल	**1+1+ 1+1= 4**	समकालीन विश्व राजनीति पृ. संख्या: 120-21

	(ख) नर्मदा नदी **(ग)** थार मरुस्थल **(घ)** नीलगिरी **उत्तर. (क) महासागर तल** **2. पृथ्वी शिखर सम्मेलन _____ में आयोजित किया गया था।** **(क)** क्योटो **(ख)** रियो-डी-जनेरियो **(ग)** रोम **(घ)** मॉन्ट्रियल **उत्तर. ख) रियो-डी-जनेरियो** **3. संयुक्त राष्ट्र की निम्नलिखित में से कौन सी एजेंसी पर्यावरणीय मुद्दों से निपटने के लिए जुड़ी हुई है?** **(क)** यूनेस्को **(ख)** ईसीओएसओसी **(ग)** यूएनईपी **(घ)** यूएनएफसीसीसी **उत्तर. ग) यूएनईपी** **4. ग्लोबल कॉमन्स पर सहयोग आसान क्यों नहीं है?** **(क)** कार्य की निगरानी नहीं की जा सकती है **(ख)** आम पर्यावरण एजेंडा पर आम सहमति का अभाव **(ग)** वैश्विक उत्तर और दक्षिण के बीच पर्यावरण के लिए समान दृष्टिकोण। **(घ)** उपरोक्त सभी **उत्तर. ख) आम पर्यावरण एजेंडा पर आम सहमति का अभाव**		
25	**दिए गए भारत के रूपरेखा राजनीतिक मानचित्र में, चार राज्यों को (ए), (बी), (सी) और (डी) के रूप में चिह्नित किया गया है। नीचे दी गई जानकारी के आधार पर इन राज्यों की पहचान करें और अपनी उत्तर पुस्तिका में उपयोग की गई जानकारी के संबंधित क्रमांक और संबंधित अक्षरों के साथ निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार उनके सही नाम लिखें:** **(i)** ताशकंद समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले नेता से संबंधित राज्य **(ii)** सी नटराजन अन्नादुरई से संबंधित राज्य। **(iii)** पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण लागू करने वाले कर्पूरी ठाकुर से संबंधित राज्य।	**1+1+ 1+1= 4**	आजादी के बाद से भारत में राजनीति पृ. संख्या: 69, 17, 167, 72

(iv)वी वी गिरि इसी राज्य के थे।

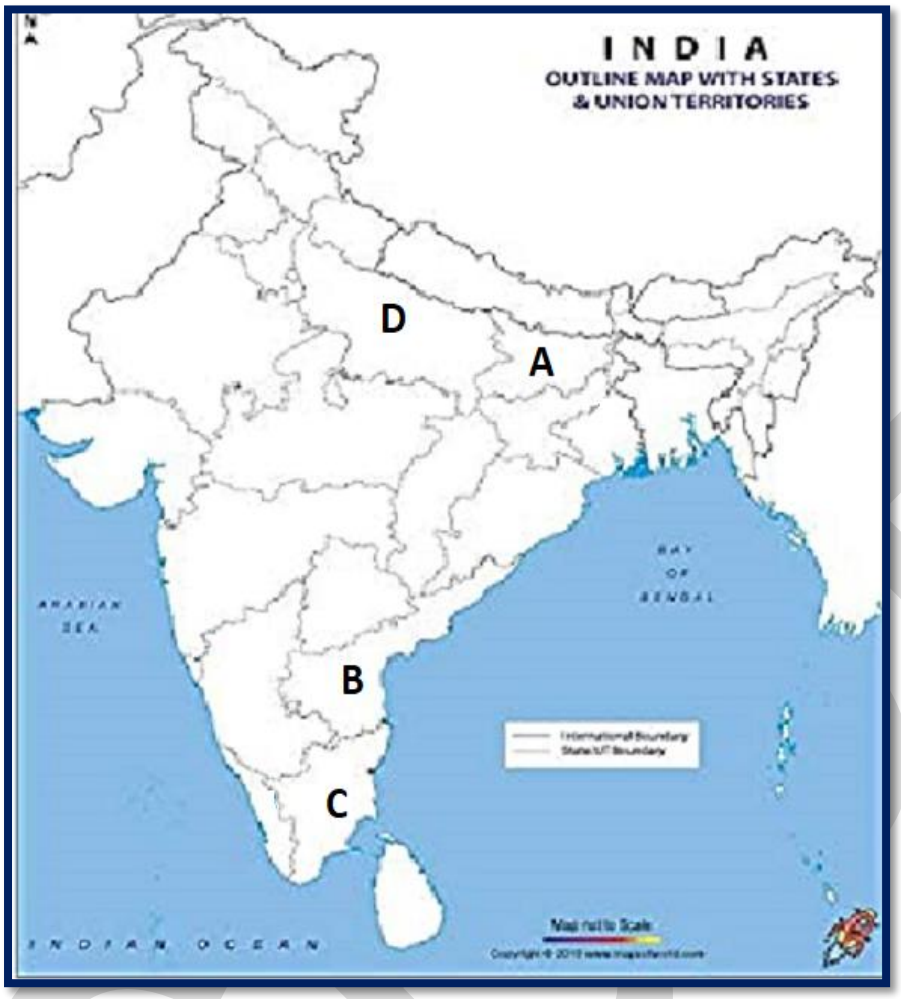

इस्तेमाल की गई जानकारी के लिए क्रम संख्या	वर्णमाला संबंधित	राज्यों के नाम
(i)	डी	उत्तर प्रदेश
(ii)	सी	तमिलनाडु
(iii)	ए	बिहार
(iv)	बी	आंध्र प्रदेश

नोट: प्रश्न संख्या 25 के स्थान पर निम्नलिखित प्रश्न दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए हैं। निम्नलिखित का नाम दें:

(i) वह राज्य जहां दलाई लामा ने शरण ली थी।

उत्तर. हिमाचल प्रदेश

	(ii) रियासतों का एकीकरण करने वाले सरदार वल्लभ भाई पटेल से संबंधित राज्य। **उत्तर. गुजरात** **(iii)** राज्य जो भारत का संरक्षित राज्य था लेकिन भारतीय संघ का 22वां राज्य बन गया। **उत्तर. सिक्किम** **(iv)**1962 के युद्ध में चीन द्वारा राज्य पर कब्जा कर लिया गया। **उत्तर:-अरुणाचल प्रदेश**		
26	**दिए गए कार्टून का अध्ययन करें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें:** **1. कार्टून में दिखाए गए किन्हीं दो नेताओं की पहचान करें जिन्होंने 1977 का चुनाव जीता था।** **उत्तर:** मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेयी, जगजीवन राम, चरण सिंह, राज नारायण (कोई 2) **2. मीसा शब्द की व्याख्या करें।** **उत्तर:** आंतरिक सुरक्षा अधिनियम का रखरखाव **3. कांग्रेस को सत्ता से बाहर क्यों किया गया?** **उत्तर:** आपातकाल लागू करना, 42वां संशोधन, प्रेस पर सेंसरशिप, निवारक निरोध कानूनों का दुरुपयोग।	**1+1+ 2=4**	आजादी के बाद से भारत में राजनीति पृ. संख्या:119
	दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए प्रश्न संख्या 26 के स्थान पर निम्नलिखित प्रश्न हैं **1. बिहार आंदोलन का नेतृत्व किसने किया था?**		पृ. संख्या: 104,

	उत्तर: जय प्रकाश नारायण **2. गुजरात में छात्र आंदोलन का मुख्य कारण क्या था?** **उत्तर:** जनवरी 1974 में गुजरात में छात्रों ने शुरुआत की खाद्यान्न, खाना पकाने के तेल और की बढ़ती कीमतों के खिलाफ एक आंदोलन अन्य आवश्यक वस्तुओं, और उच्च पदों पर भ्रष्टाचार के खिलाफ। **3. अनुच्छेद 352 क्या कहता है?** **उत्तर:** इस अनुच्छेद के प्रावधान के तहत सरकार कर सकती है बाहरी खतरे या खतरे के आधार पर आपातकाल की स्थिति घोषित करें आंतरिक गड़बड़ी की। अब 'आंतरिक' आपातकाल की घोषणा केवल आधारों पर की जा सकती है 'सशस्त्र विद्रोह' की और यह आवश्यक है कि सलाह दी जाए आपातकाल की घोषणा करने के लिए राष्ट्रपति द्वारा लिखित रूप में दिया जाना चाहिए केंद्रीय मंत्रिमंडल। **4. जनता पार्टी पूरे कार्यकाल के लिए सत्ता में रहने में क्यों विफल रही?** **उत्तर:** 1977 के चुनावों के बाद सत्ता में आई जनता पार्टी की सरकार एकजुटता से बहुत दूर थी। चुनाव के बाद, प्रधान मंत्री पद के लिए तीन नेताओं के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी - मोरारजी देसाई, जो 1966-67 से इंदिरा गांधी के प्रतिद्वंद्वी थे; चरण सिंह, भारतीय लोकदल के नेता और यूपी के एक किसान नेता; और जगजीवन राम, जिनके पास कांग्रेस सरकारों में एक वरिष्ठ मंत्री के रूप में व्यापक अनुभव था। आखिरकार मोरारजी देसाई प्रधान मंत्री बने लेकिन इससे पार्टी के भीतर सत्ता संघर्ष समाप्त नहीं हुआ। आपातकाल का विरोध जनता पार्टी को कुछ समय के लिए ही साथ रख सका। इसके आलोचकों ने महसूस किया कि जनता पार्टी में दिशा, नेतृत्व और एक सामान्य कार्यक्रम का अभाव है।		108, 118,120-21
	खंड-ङ (24 अंक)		
27 उत्तर	**यूरोपीय संघ को अत्यधिक प्रभावशाली क्षेत्रीय संगठन बनाने वाले कारकों की व्याख्या कीजिए।** 1. आर्थिक कारक: **(क)** विश्व व्यापार में अमेरिका की तुलना में तीन गुना बड़ा हिस्सा। **(ख)** इसकी मुद्रा यूरो अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व के लिए खतरा पैदा कर सकती है। **(ग)** यूरोपीय संघ विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में एक महत्वपूर्ण ब्लॉक के रूप में कार्य करता है।	**2+2+ 2=6**	समकालीन विश्व राजनीति पृ. संख्या: 53,54

2. राजनीतिक कारक:

(क) यूरोपीय संघ का सदस्य, फ्रांस संयुक्त राष्ट्र की नीतियों को प्रभावित करने के लिए सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट रखता है।

(ख) यूरोपीय संघ में यूएनएससी के विभिन्न गैर-स्थायी सदस्य भी शामिल हैं।

(ग) यूरोपीय संघ सैन्य बल को छोड़कर कूटनीति और वार्ता में एक प्रभावशाली भूमिका निभाता है यानी मानव अधिकारों और पर्यावरणीय गिरावट पर चीन के साथ यूरोपीय संघ की बातचीत उल्लेखनीय है।

3. सैन्य कारक:

(क) यूरोपीय संघ की संयुक्त सशस्त्र सेना दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी है।

(ख) इसका कुल सैन्य खर्च अमेरिका के बाद दूसरा है।

(ग) इसका महत्वपूर्ण सदस्य- फ्रांस 335 परमाणु हथियारों के परमाणु शस्त्रागार का अनुभव करता है ।

(घ) यूरोपीय संघ अंतरिक्ष और संचार प्रौद्योगिकी का दुनिया का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण स्रोत है।

या

'आसियान वे' का अर्थ स्पष्ट करें।आसियान समुदाय के स्तंभों और उद्देश्यों के नाम बताइए। आसियान विजन 2020 के घटक क्या हैं?

1. आसियान सुरक्षा समुदाय

2. आसियान आर्थिक समुदाय

3. आसियान सामाजिक-सांस्कृतिक समुदाय

उत्तर: आसियान एशिया में एकमात्र क्षेत्रीय संघ है जिसने एक राजनीतिक मंच प्रदान किया जहां एशियाई देश और प्रमुख शक्तियां राजनीतिक और सुरक्षा चिंताओं पर चर्चा कर सकती हैं।

आसियान का प्राथमिक उद्देश्य 'सामाजिक प्रगति और सांस्कृतिक विकास' के बाद आर्थिक विकास को गति देना था।

एक अन्य महत्वपूर्ण उद्देश्य कानून के शासन और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों के आधार पर क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बढ़ावा देना था। सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं के साथ वर्तमान वैश्विक दुनिया में आसियान ने "आसियान

समकालीन विश्व राजनीति

पृ. संख्या: 56,57

	समुदाय" की स्थापना करके आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों से परे अपने उद्देश्यों को व्यापक बनाया। आसियान विजन - 2020 के घटक हैं: • बाहरी दिखने वाली भूमिका • बातचीत के लिए प्रोत्साहन		
28 उत्तर	**'संयुक्त राष्ट्र में सुधार का अर्थ है सुरक्षा परिषद का पुनर्गठन'। उपयुक्त तर्कों के साथ इस कथन की पुष्टि कीजिए।** सुरक्षा परिषद संयुक्त राष्ट्र के कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आज के परिदृश्य में यूएसएसआर के विघटन के साथ शक्ति समीकरण बदल गए हैं और कई नए देश संयुक्त राष्ट्र में प्रवेश कर रहे हैं: **1.** संयुक्त राष्ट्र चार्टर ने स्थायी सदस्यों को पूरी दुनिया में स्थिरता लाने के लिए विशेष स्थान दिया है। यह स्थिति वही रहती है और किसी को भी प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। **2.** स्थायी सदस्यों को छोड़कर वीटो शक्ति का आनंद एक मूल्यवान स्थिति में रखा जा सकता है। **3.** स्थायी सदस्य श्रेणी औद्योगिक विकसित देश से है जिसे स्थायी या गैर-स्थायी सदस्य बनने के लिए विकासशील देशों से प्रतिनिधित्व बढ़ाकर संतुलित किया जाना चाहिए। **4.** इसलिए, सुरक्षा परिषद को संयुक्त राष्ट्र को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने काम में सुधार और सुधार करना चाहिए, अर्थात शांति बनाए रखने की पहल में योगदान के आधार पर सदस्य राज्यों को शामिल करने का निर्णय लिया जाना चाहिए। **या** **संयुक्त राष्ट्र को एक अनिवार्य संगठन क्या बनाता है? बदलते संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र को अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए?** **उत्तर: 1** संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के बिना परस्पर निर्भरता और वैश्वीकरण संभव नहीं है। **2.** गरीबी, बेरोजगारी, पर्यावरण क्षरण आदि मुद्दों पर सहयोग को लागू करना। **3.** पूरे विश्व में अर्थव्यवस्था को स्थिर करने के लिए विकासशील देशों को वित्तीय सहायता प्रदान करना।	**6**	समकालीन विश्व राजनीति पृ. संख्या: 87-90

	4. संयुक्त राष्ट्र राष्ट्रों के बीच किसी भी अंतरराष्ट्रीय विवाद को सुलझाने और सर्वोत्तम संभव तरीके से सुलझाने के लिए एक मंच के रूप में काम करता है। **5.** अंतरराष्ट्रीय शांति और समझ को बढ़ावा देना। **बदलते संदर्भ में संयुक्त राष्ट्र को और अधिक प्रासंगिक बनाने के लिए उठाए जाने वाले कदम:** **(क)** शांति निर्माण आयोग का निर्माण। **(ख)** अपने नागरिकों को अत्याचार से बचाने के लिए राष्ट्रीय सरकारों की विफलताओं के मामले में अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ज़िम्मेदारी स्वीकार करना। **(ग)** आतंकवाद की उसके सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में निंदा। **(घ)** सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक समझौता।		समकालीन विश्व राजनीति पृ. संख्या: 91,96.97
29 उत्तर	**स्वतंत्रता के समय भारत के सामने किन्हीं तीन चुनौतियों का वर्णन कीजिए।** **1.** एक राष्ट्र को आकार देने की चुनौती: स्वतंत्रता के समय भारत विभिन्न राज्यों में विभाजित था। इसलिए देश को एक सूत्र में पिरोने और जोड़ने की एक बड़ी चुनौती खड़ी हो गई। सरदार वल्लभभाई पटेल ने इन राज्यों को या तो इच्छा से या कूटनीतिक रूप से विभिन्न चरणों में पूरा करने के लिए एकीकृत करने का बीड़ा उठाया। **2.** लोकतंत्र की स्थापना के लिए: भारत ने सरकार के संसदीय स्वरूप के आधार पर प्रतिनिधि लोकतंत्र का गठन किया और राष्ट्र में इन लोकतांत्रिक प्रथाओं को विकसित करना एक बड़ी चुनौती थी। **3.** आर्थिक विकास और समाज की भलाई सुनिश्चित करना और प्रभावी आर्थिक नीतियों और गरीबी और बेरोजगारी के उन्मूलन की मदद से कल्याणकारी लक्ष्यों को प्राप्त करना। **या** **1947 में भारत के विभाजन के किन्हीं छह परिणामों का विश्लेषण कीजिए।** **उत्तर: 1**। विभाजन का पहला परिणाम जनसंख्या का सबसे बड़ा अनियोजित और दुखद स्थानांतरण था जिसे मानव इतिहास ने जाना है। सीमा के दोनों ओर बड़े पैमाने पर हत्याएं और अत्याचार हुए। धर्म के नाम पर एक समुदाय के लोगों ने दूसरे समुदाय के लोगों को मार डाला। **2.** अल्पसंख्यकों को अपना घर छोड़कर सीमा पार जाने के लिए मजबूर किया गया। उनकी यात्रा के दौरान भी उन पर अक्सर हमला किया गया, उन्हें मार डाला गया और लूट लिया गया। दोनों पक्षों ने हजारों महिलाओं का बलात्कार	**6**	आजादी के बाद से भारत में राजनीति पृ संख्या 4-5

	किया, उनका अपहरण किया और उन्हें मार डाला। विभाजन ने लगभग 80 लाख लोगों को नई सीमा पार करने के लिए मजबूर किया। विभाजन के कारण पाँच लाख से अधिक लोग मारे गए। **3.** विभाजन का एक अन्य परिणाम 'शरणार्थियों की समस्या' थी। सीमा पार करने वाले लोगों ने पाया कि उनके पास घर नहीं था। लाखों लोगों के लिए स्वतंत्रता का अर्थ 'शरणार्थी शिविरों' में जीवन था। भारतीय नेतृत्व और भारत सरकार को इस तात्कालिक और अप्रत्याशित समस्या का सामना करना पड़ा। **4.** संपत्तियों और वित्तीय संपत्तियों का विभाजन। विभाजन का अर्थ संपत्तियों, देनदारियों और वित्तीय संपत्तियों का विभाजन भी था। **5.** सरकार और रेलवे के कर्मचारियों में भी बंटवारा हो गया। **6.** अल्पसंख्यकों की समस्याएं। पाकिस्तान में मुसलमानों के बड़े पैमाने पर पलायन के बाद भी, भारत की कुल आबादी का लगभग 12 प्रतिशत मुसलमान थे। भारत सरकार के सामने सबसे बड़ी समस्या यह थी कि मुस्लिम अल्पसंख्यकों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों से कैसे निपटा जाए। **7.** विभाजन के कारण बंगाल को पूर्वी बंगाल (अब बांग्लादेश) और पश्चिम बंगाल में विभाजित किया गया था। इसी तरह, पंजाब को पश्चिमी पाकिस्तान के पंजाब प्रांत और भारतीय राज्य पंजाब में विभाजित किया गया था।		आजादी के बाद से भारत में राजनीति पृ. संख्या: 9-11
30 उत्तर	**1989 से भारतीय राजनीति में किन्हीं तीन प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए।** अस्सी के दशक में, देश ने पाँच मुख्य घटनाक्रम देखे जिनका राजनीति पर दीर्घकालीन प्रभाव पड़ा: **1.** कांग्रेस प्रणाली का अंत। **2.** मंडल मुद्दे **3.** नए आर्थिक सुधार **4.** बाबरी मस्जिद मुद्दे **5.** राजीव गांधी की हत्या 1989 के चुनावों में कांग्रेस की हार हुई और 'बहुदलीय प्रणाली' के युग का उदय हुआ जब 1989 के बाद से लोकसभा चुनावों में किसी एक दल को बहुमत हासिल नहीं हुआ। इसने गठबंधन सरकार के युग का भी नेतृत्व किया जब क्षेत्रीय दलों ने सत्ताधारी गठबंधन बनाने में अहम भूमिका 1989 के बाद से, केंद्र में नौ सरकारें या तो गठबंधन सरकार रही हैं या अन्य दलों द्वारा समर्थित अल्पमत सरकार। इस चरण में अनेक क्षेत्रीय दलों	**2+2+ 2=6**	आजादी के बाद से भारत में राजनीति पृ. संख्या: 173-175

	की भागीदारी से ही सरकार का गठन किया जा सका। नब्बे के दशक में दलितों और पिछड़े वर्गों और क्षेत्रीय दावों का प्रतिनिधित्व करने के लिए शक्तिशाली पार्टियों का भी उदय हुआ। (कोई 3 की व्याख्या की जाए) **या** **'गंभीर प्रतिस्पर्धा और कई संघर्षों के बीच, ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकांश दलों के बीच एक आम सहमति बन गई है।' किन्हीं तीन का विस्तार से वर्णन करें।** **उत्तर: 1.** अधिकांश राजनीतिक दल देश को समृद्धि और दुनिया में आर्थिक शक्ति की स्थिति की ओर ले जाने के लिए नई आर्थिक नीतियों के समर्थन में थे। **2.** सभी राजनीतिक दलों ने शिक्षा और रोजगार में पिछड़े वर्गों के लिए सीटों के आरक्षण और यहां तक कि ओबीसी को सत्ता में पर्याप्त हिस्सेदारी सुनिश्चित करने के लिए समर्थन किया। **3.** देश के शासन में राज्य स्तरीय दलों की भूमिका को स्वीकार किया गया। **4.** गठबंधन की राजनीति ने राजनीतिक दलों का ध्यान वैचारिक मतभेदों से हटाकर सत्ता की साझेदारी व्यवस्था पर केंद्रित कर दिया है। इसलिए अधिकांश एनडीए भाजपा की हिंदुत्व विचारधारा से सहमत नहीं थे, फिर भी वे सरकार बनाने के लिए एक साथ आए और पूरे कार्यकाल के लिए सत्ता में रहे। **(कोई 3 की व्याख्या की जाए)**		आजादी के बाद से भारत में राजनीति पृ. संख्या: 190-192

CBSE